उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर (छ.ग)

बी. एड. द्वितीय वर्ष

पंचम प्रश्न पत्र

विद्यालय, संस्कृति, प्रबन्ध एवं शिक्षक

(SCHOOL CULTURE, MANAGEMENT AND TEACHER)

UNIT-4

कक्षा–कक्ष प्रबन्धन

(Classroom Management)

Dr. Ajita Mishra
Assistant Professor

अध्ययन के उद्देश्यः–

,

- कक्षा को बेहतर तरीके से संचालित कर सकेंगे।
- ' शिक्षण अधिगम प्रक्रिया प्रभावशाली एवं फलदायक बनाने में मदद मिलेगी।
- 'विद्यार्थियों के अधिगम में वृद्धि हेतु अपनी शिक्षण गतिविधियों को संगठित कर पायेंगे।

कक्षा–कक्ष प्रबन्धन (Classroom Management)

प्रस्तावना (Introduction):

कक्षा प्रबन्धन के माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया को संगठित किया जाता है। इसके अन्तर्गत कक्षा में प्रयुक्त शिक्षण के मुख्य घटकों तथा विद्यार्थी कक्षा प्रबन्धन के मुख्य अंग है। कक्षा प्रबन्धन के मुख्य अंग हैं। कक्षा प्रबन्धन के मुख्य अंग हैं। कक्षा प्रबन्धन का मुख्य लक्ष्य विद्यार्थियों में अधिगम की वृद्धि करना है और कक्षा में सीखने के समुचित परिस्थितियों को उत्पन्न करना है। अर्थात् अधिगम का कार्य किसी समस्या को जन्म देने वाली परिस्थितियों की गणना करके समस्या के समाधान में सहायता देना है।

कक्षा प्रबन्धन की परिभाषा

(Definitions of Classroom Management)

'कक्षा प्रबन्धन वह प्रक्रिया है जिसमें अध्यापक और विद्यार्थी के सम्बन्धों और अन्तः सम्बन्धों के माध्यम से अधिगम की प्रक्रिया सम्पादित होती है तथा कक्षा में कार्य तथा क्रियाकलाप से अधिगम परिस्थितियाँ उत्पन्न की जाती हैं।'

जे. पेने के अनुसार, 'शिक्षण में अध्यापक का कार्य मार्गदर्शक, निर्देशक या अधीक्षक का है। जिसके द्वारा छात्र स्वयं को शिक्षित करते हैं।'

ड्यूवी के अनुसार, 'अध्यापक एक मार्गदर्शक व निर्देशक है। वह नाव का खेवनहार है, परन्तु इस नाव को आगे बढ़ाने वाली शक्ति सीखने वालों से प्राप्त की जानी चाहिए।'

Classroom Management

- **Introduction**
- Classroom management refers to the wide variety of skills and techniques that teachers use to keep students organized orderly, focused, attentive, on task, and academically productive during a class.
- When executed effectively, teachers minimize the behaviors that impede learning for both individual students and groups of students, while maximizing the behaviors that facilitate or enhance learning.
- Effective teachers tend to display strong classroom-management skills, while the hallmark of the inexperienced or less effective teacher is a disorderly classroom filled with students who are not working or paying attention.

कक्षा प्रबन्धन की परिभाषा
(Definitions of Classroom Management)

- श्री अरविन्द के अनुसार, 'शिक्षण का प्रथम सिद्धांत यह है कि कुछ भी पढ़ाया नहीं जा सकता। अध्यापक एक उपदेशक या कृत्रिम शासक नहीं है। वह सहायक एवं मार्गदर्शक है। उसका कार्य सुझाव देना है न कि आरोपित करना। यह वास्तव में बच्चों के मस्तिष्क को प्रशिक्षित नहीं करता वरन् उनके ज्ञान के उपकरणों को ठीक करने का मार्ग दिखाता है और उसे इस प्रकार से सहायता देकर प्रोत्साहित करता है। वह उसे ज्ञान प्राप्ति के लिए मार्ग दिखाता है। वह अन्तर्निहित ज्ञान को बाहर नहीं निकालता है। वह उसे केवल मात्र यह दिखा देता है कि ज्ञान कहाँ विद्यमान है और किस प्रकार उसे सतह तक उठाया जा सकता है।'

कक्षा–कक्ष प्रबन्धन के विभिन्न घटक
(Components of Classroom Management)

- मुख्य घटक शिक्षक (**Teacher as Principal Component or Independent Variable)**
- उद्देश्य
- शिक्षण प्रणालियां
- शिक्षण प्रविधियाँ
- सहायक सामग्री (श्रव्य व दृश्य सामग्री)

कक्षा–कक्ष प्रबन्धन के विभिन्न घटक
(Components of Classroom Management)

- शिक्षण तथा सामाजिक कौशल
- सम्प्रेषण कौशल
- अनुदेशनात्मक प्रक्रिया तथा शिक्षण के सहायक साधन।
- क्षा प्रबन्धन संबंधी मार्गदर्शक संकेत

कक्षा दैनिक चर्या(Classroom Routine)

- ' समय बद्धता
- ' अधिक समय तक खड़े रहना
- ' विद्यार्थियों के नाम की जानकारी
- ' स्वच्छता
- ' प्रकाश व हवा की व्यवस्था
- ' बैठने के सही तरीके पर जोर
- ' बैठक व्यवस्था
- 'विद्यालय सम्पत्ति के प्रति आदर भाव
- ' विलम्ब से सीखने वाले बच्चों का वितरण
- ' सामग्री वितरण व एकत्रण नियमानुसार हो।

शिक्षण विधि एवं क्रिया

Teaching Methods and Procedures

- पूर्व तैयारी
- सहायक सामग्री का प्रयोग
- गृहकार्य
- पूरी कक्षा में समान ध्यान केन्द्रण
- कक्षा में सभी छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित
- प्रश्न के उत्तर प्राप्त करने के लिए पर्याप्त समय
- लिखित कार्य की सावधानी पूर्वक जांच
- श्याम पट पर सुस्पष्ट लेखन
- समुदाय के मध्य आलोचना या क्रोध करने से दूर रहो।

शिक्षण विधि एवं क्रिया

Teaching Methods and Procedures

- छात्रों के घरेलू माहौल से परिचित रहो।
- संकोची छात्रों के प्रति सहानुभूति।
- व्यक्तिक भिन्नता को मान्यता दो।
- अपने कार्य को व्यवस्थित रूप से नियोजित करो।
- क्षा छोड़ते समय अपनी सामग्री को व्यवस्थित तथा श्यामपट को साफ करो।
- मैत्रीपूर्ण व्यवहार।
- संचयी अभिलेख का निर्माण व छात्र सम्मेलनों के लिए हमेशा तैयार।
- उचित भाषा का प्रयोग
- आदर व ईमानदारी को प्रोत्साहन।

- **3. Classroom discipline (कक्षा अनुशासन)**
- अपने अनुशासन का आधार न 'करो'। की अपेक्षा 'करो' बनाओ।
- सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार
- मैत्रीपूर्ण व्यवहार
- न्यायी
- तनाशाह व्यवहार पर अंकुश
- आदर व ईमानदारी
- सहकर्मियों के बारे में बातें मत करो।
- व्यर्थ की बातें व पारिवारिक समस्या पर चर्चा न करो।
- **4. अध्यापक का व्यवहार**
- समयानुसार कार्य संपादन
- हंसमुख व विनोदी
- ऊंची आवाज में बातें मत करो।
- व्यंग्य मत कसो।
- अपने कर्त्तव्यों के प्रति निष्ठावान
- अपनी कमियों को सहजता से स्वीकारना
- शिष्टाचारी बनो।
- नम्र व उचित भाषा प्रयोग
- पहल शक्ति व साधन सम्पन्न बनो।

कक्षा प्रबन्धन का विस्तार
(Dimensions of Classroom Management)

1. **भौतिक विस्तार या वातावरण (Physical Dimensions or Environment)**

- बैठक व्यवस्था, वायु, प्रकाश एवं श्यामपट की व्यवस्था अर्थात् वे सभी सुविधाएं जो अधिगम में सहायक हो।

2. **सामाजिक और सांस्कृतिक ;(Social and Cultural Dimension)**

- अध्यापक व विद्यार्थी का संबंध
- विद्यार्थियों के बीच सम्बन्ध
- अध्यापक व प्रधानाचार्य का संबंध।
- अध्यापकों के बीच संबंध।

कक्षा प्रबन्धन का विस्तार

(Dimensions of Classroom Management)

3 मनोवैज्ञानिक विस्तार

- अभिप्रेरित करना
- पुनर्बलन देना
- प्रोत्साहित करना।

4. नैतिक व्यवहार तथा मूल्य विस्तार (Ethical Consideration or ValueDimension

चूंकि कक्षा प्रबन्धन का विस्तार विद्यार्थियों की भावनाओं, दृष्टि तथा प्रभावपूर्ण मूल्य पक्ष से सम्बन्धित होता है तथा शिक्षक होता है तथा शिक्षक का नेता होता है, विद्यार्थियों का आदर्श होता है व उनके व्यवहार को प्रभावित करता है इसलिए:—

- उसे अध्यापक की भांति दिखाना चाहिए।
- अध्यापक की भांति व्यवहार करना चाहिए।
- मूल्य आधारित व्यवहार करना चाहिए।
- उसे कक्षा की संहिता का रखरखाव करना चाहिए।

कक्षा प्रबन्धन की प्राविधियाँ **(Techniques of Classroom Management)**

- कार्य में लयात्मकता
- क्षा संस्कृति का विकास
- अध्यापक का ध्यान
- समाजिक तथा भावनात्मक वातावरण
- स्व प्रबन्धन तथा कक्षा का वातावरण
- सभी की सहभागिता।

सहायक प्रविधि
(Supporting Device)

- प्रयोगशाला परीक्षण
- क्षेत्रीय कार्य
- पुस्तकालय में अध्ययन
- शैक्षिक भ्रमण
- स्वाध्याय
- क्रियात्मक अनुसंधान

कक्षा–प्रबन्धन में अध्यापक की भूमिका
(Teacher's Roles in Classroom Management

1. **अध्यापक की भूमिका (Role as aTeacher):-** अध्यापक को कैसे दिखना है, कैसे व्यवहार करना है, कैसे कपड़े पहनना है, कैसे बातचीत करना है, अध्यापक को अपने विद्यार्थियों की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठòमि को जानना चाहिए। उक्त सभी बातों का प्रभाव छात्रों पर पड़ता है।
2. **दार्शनिक की भूमिका (Role as Philosopher):–** विषयवस्तु का पूरा ज्ञान होना चाहिए साथ ही विषय से संबंधित नवीनतम जानकारी भी होनी चाहिए। अनुसंधान से ज्ञात होता है कि अध्यापक प्रभावशीलता हेतु ज्ञान के साथ–साथ विषय में रुचि होना भी अत्यन्त आवश्यक है।
3. **मार्गदर्शक की भूमिका (Role as a Guide):–** शिक्षक का कार्य बच्चों की व्यक्तिगत एवं अधिगम संबंधी समस्याओं का निराकरण करने में सहायता करना है। कमजोर व विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अनुवर्ग शिक्षण या शिक्षण उपचार आदि की व्यवस्था करना है।

कक्षा–प्रबन्धन में अध्यापक की भूमिका
(Teacher's Roles in Classroom Management)

4. **अनुसंधानकर्त्ता की भूमिका (Role as a Reasearcher):–** एक शिक्षक में कक्षा प्रबन्धन के समय आने वाली समस्याओं के निराकरण की दक्षता होनी चाहिए। उसे विभिन्न कौशलों से युक्त तथा क्रियात्मक अनुसंधान का ज्ञान होना चाहिए, क्योंकि क्रियात्मक अनुसंधान के द्वारा कक्षा प्रबन्धन की विविध समस्याओं को सुलझाया जा सकता है।
5. **प्रबन्धक की भूमिका (Role as a Manager):-** प्रबन्धक के रूप में एक शिक्षक को नियोजन, संगठन, पर्यवेक्षण, निर्देशन, संयोजन, मूल्यांकन तथा शिक्षण प्रक्रिया का नियंत्रण के कार्यों अधिकारों एवं उत्तरदायित्वों का ज्ञान होना चाहिए।
6. **नेतृत्व की भूमिका (Role as a leader):-** शिक्षक अपनी कक्षा में एक नेता के रूप में कार्य करता है अतः प्रबन्धक के रूप एक शिक्षक के नेतृत्व क्षमता का होना भी एक आवश्यक गुण है।

Basic Classroom Management Techniques

- **Entry Routine**
- **Do Now**
- **Tight Transitions**
- **Nonverbal Intervention**
- **Do it Again**

For more elaborated information click this link

https: www. Edglossary. Org/ Classroom-management.

निष्कर्ष (Conclusion)

एक शिक्षक को कक्षा प्रबन्धन हेतु कई भूमिकाएं अदा करनी पड़ती हैं। विचारशीलता, ईमानदारी तथा शिक्षण में सम्बद्धता अध्यापक के यह तीन महत्वपूर्ण गुण होते हैं, यदि वह पूर्ण दक्षता व रुचि के साथ कक्षा शिक्षण का कार्य करता है तो वह कक्षा प्रबन्धन में प्रगति करता है। एक शिक्षक को शिक्षण अधिगम को अधिक प्रभावशाली व फलदायक बनाने के लिए व कुछ संकेतों को ध्यान में रखना चाहिए जैसे कि:—

- कौन अध्यापन करता है? (स्व को जानना)
- क्यों पढ़ाना है (छात्र के व्यक्तित्व के संतुलित विकास हेतु)
- किसे पढ़ाना है? (छात्र को) अतः उनकी रुचि, योग्यता, रुझान, स्वभाव व आदत की जानकारी शिक्षक को होनी चाहिए।

निष्कर्ष (Conclusion)

- कैसे पढ़ाएं? (शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की उपयुक्त विधि का चयन कर पढ़ाना चाहिए)
- कब पढ़ायें? (तब जब वह अपने शिक्षण को प्रभावशाली बनाकर छात्रों को अभिप्रेरित कर सके।)
- कक्षा प्रबन्धन सरल शब्दों में अर्थ संगठन में व्यक्तियों से कार्य कराना है। अंग्रेजी शब्द (Manage man Tactfully (मैनेज–मेन–टेक्टफूली) को मैनेजमेंट कहा जाता है अर्थात् इसका अर्थ व्यक्तियों से कार्य लेना है।
- शिक्षक को छात्रों को लोकतांत्रिक व्यवहार में प्रशिक्षण देना है कक्षा प्रबन्धन में शिक्षक स्वेच्छाचारी नहीं हो सकता। कक्षा प्रबन्धन में अध्यापक के व्यक्तित्व सम्बन्धी कुछ मार्गदर्शक संकेत है। उनको ध्यान में रखते हुए लोकतांत्रिक व्यवहार करना चाहिए उसे एक पुलिस कर्मी की तरह व्यवहार न कर, छात्रों के साथ एक मित्र, दार्शनिक व मार्गदर्शक के रूप में पेश आना चाहिए।

THANK YOU